अर्थव्यवस्था के लिए एमएसएमई का विकास जरूरी : मुख्य सचिव

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी ने अपने कार्यालय कक्ष के सभागार में इंडियन बैंक के ऑनलाइन प्रोग्राम 'एमएसएमई' प्रेरणा एप का शुभारंभ किया। इस अवसर पर तिवारी ने कहा कि एमएसएमई उद्यमिता विकास अर्थव्यवस्था का आवश्यक पहलू है। इससे प्रदेश के उद्यमियों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एमएसएमई की लगभग नौ लाख 50 हजार इकाइयां पंजीकृत हैं। गैर पंजीकृत एमएमएसई इकाइयों की संख्या इससे कई गुना अधिक हैं।

मुख्य सचिव ने किया इंडियन बैंक की ऑनलाइन परामर्श एमएसएमई प्रेरणा एप का शुभारंभ

कोविड-19 महामारी के दौरान यहां की एमएसएमई इकाइयों ने बहुत ही कम समय में आवश्यक वस्तुओं-पीपीई किट, मास्क, सैनेटाइजर आदि को निर्मित कर प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाकर मिशाल पेश की। इन इकाइयों के माध्यम से बड़ी संख्या में महिलाओं को रोजगार प्राप्त हुआ है। भारत सरकार ने आत्मनिर्भर पैकेज के माध्यम से संकट की घड़ी में एमएसएमई इकाइयों को प्रोत्साहन दिया है। वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बैंक की प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी पदमजा चुंदरु न की, जबकि संचालन क्षेत्रीय महाप्रबंधक रविंद्र सिंह ने किया।